प्री–बोर्ड परीक्षा 2021–22

कक्षा -12 (साहित्यिक हिंदी)

केवल प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक – 100**

खण्ड 'क'

1. (क) **'हिन्दी गद्य' (खड़ी बोली) के जन्मदाता हैं—** 1
(i) प्रतापनारायण मिश्र (ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(iii) श्यामसुन्दर दास (iv) जयशंकर प्रसाद

(ख) **'ब्राह्मण' पत्रिका के सम्पादक थे—** 1
(i) बालकृष्ण भट्ट (ii) प्रतापनारायण मिश्र
(iii) बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' (iv) मुंशी प्रेमचन्द

(ग) **'आवारा मसीहा' किस विधा पर आधारित रचना है?** 1
(i) उपन्यास (ii) कहानी
(iii) नाटक (iv) जीवनी

(घ) **'पथ के साथी' रचना किस विधा पर आधारित है?** 1
(i) उपन्यास (ii) कहानी
(iii) जीवनी (iv) संस्मरण

(ङ) **'चिन्तामणि' के रचनाकार हैं—** 1
(i) महावीरप्रसाद द्विवेदी (ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(iii) रामचन्द्र शुक्ल (iv) विनोबा भावे

2. (क) **हिन्दी का प्रथम महाकाव्य माना जाता है—** 1
(i) पृथ्वीराज रासो (ii) सूर-सागर
(iii) रामचरितमानस (iv) रामचन्द्रिका

(ख) **'दीपशिखा' की रचना किसके द्वारा की गयी है?** 1
(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (ii) महादेवी वर्मा
(iii) सुभद्राकुमारी चौहान (iv) मैथिलीशरण गुप्त

(ग) **'प्रियप्रवास' के रचनाकार हैं—** 1
(i) मैथिलीशरण गुप्त
(ii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(घ) **'कला और बूढ़ा चाँद' के रचयिता हैं—** 1
(i) सुमित्रानन्दन पन्त (ii) रामधारीसिंह 'दिनकर'
(iii) भवानीप्रसाद मिश्र (iv) गिरिजाकुमार माथुर

Gyansindhu Coaching Classes

(ङ) 'अनामदास का पोथा' के रचनाकार हैं? 1

(i) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी
(ii) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

3. **गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—** 5 + 2 + 10

यह प्रणाम-भाव ही भूमि और जन का दृढ़ बन्धन है। इसी दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है। इसी दृढ़ चट्टान पर राष्ट्र का चिर-जीवन आश्रित रहता है। इसी मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्त्तव्यों और अधिकारों का उदय होता है। जो जन पृथिवी के साथ माता और पिता के सम्बन्ध को स्वीकार करता है, उसे ही पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है। माता के प्रति अनुराग और सेवाभाव पुत्र का स्वाभाविक कर्त्तव्य है। वह एक निष्कारण धर्म है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) किस दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है?
(iii) किस मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्त्तव्यों और अधिकारों का उदय होता है?
(iv) किसे पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है?
(v) पुत्र का स्वाभाविक कर्त्तव्य क्या है?

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत-सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संसार-कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामंत उखड़ गए, समाज ढह गए और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई। सन्तान-कामिनियों को गंधर्वों से अधिक शक्तिशाली देवताओं को वरदान मिलने लगा—पीरों ने, भूत-भैरवों ने, काली-दुर्गा ने यक्षों की इज्जत घटा दी। दुनिया अपने रास्ते चली गई, अशोक पीछे छूट गया।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
(iii) अशोक क्यों पीछे छूट गया?
(iv) सन्तान-कामिनियों को किसका शक्तिशाली वरदान मिलने लगा?
(v) यक्षों की इज्जत/प्रतिष्ठा किसने घटा दी?

4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

$5 \times 2 = 10$

कृपा निधान सुजान संभु हिय की गति जानी ।
दियौ सीस पर ठाम बाम करि कै मनमानी ।।
सकुचति ऐंचति अंग गंग सुख संग लजानी ।
जटा-जूट हिम कूट सघन बन सिमिटि समानी ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और रचयिता का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) किसकी कोमल भावना को शिवजी जान गए?
(iv) शिवजी ने गंगाजी को कहाँ पर स्थान दिया?
(v) गंगाजी कहाँ पर सिमटकर छिप जाती हैं?

अथवा

मानव का रचा हुआ सूरज
मानव को भाप बनाकर सोख गया ।
पत्थर पर लिखी हुई यह
जली हुई छाया
मानव की साखी है ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) मानव का रचा हुआ सूरज क्या है?
(iv) अणुबमरूपी सूरज किसे और किस प्रकार भाप बनाकर सोख गया?
(v) कौन आज भी महाविनाश के गवाह हैं?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)– $3 + 2 = 5$

(i) पं० दीनदयाल उपाध्याय (ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
(iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

(ख) **निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)—** 3 + 2 = 5

(i) मैथिलीशरण गुप्त (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'कर्मनाशा की हार' *अथवा* 'बहादुर' कहानी की कथावस्तु लिखिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)। 5

या 'बहादुर' *अथवा* 'पंचलाइट' कहानी के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. **स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के प्रश्न का उत्तर दीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)—** 5

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

या 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

या 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका द्रोपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

या 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कुन्ती की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

या 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

या 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर राज्यश्री का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(vi) 'श्रवणंकुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

या 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर राजा दशरथ की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

खण्ड 'ख'

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए- *2 + 5 = 7*

महामनस्विनः मदनमोहनमालवीयस्य जन्म प्रयागे प्रतिष्ठित-परिवारेऽभवत्। अस्य पिता पण्डित-व्रजनाथमालवीयः संस्कृतस्य सम्मान्यः विद्वान् आसीत्। अयं प्रयागे एव संस्कृतपाठशालायां राजकीयविद्यालये म्योरसेण्ट्रल महाविद्यालये च शिक्षां प्राप्य अत्रैव राजकीय विद्यालये अध्यापनम् आरब्धवान्। युवकः मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्णभाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत्।

अथवा

प्रीतः गुरूस्तमभाषत—सौम्य! विदितवेदितव्योऽसि, नास्ति किमपि अविदितं तव। अद्यत्वेऽस्माकं देशः अज्ञानान्धकरो निमग्नो वर्तते, नार्यः अनादृियन्ते, शूद्राश्च तिरस्क्रियन्ते, अज्ञानिनः पाखण्डिनश्च पूज्यन्ते। वेदसूर्योदयामन्तरा अज्ञानान्धकारं न गमिष्यति। स्वस्त्यस्तु ते, उन्नमय पतितान्, समुद्धर स्त्रीजाति, खण्डय पाखण्डम्, इत्येव मेऽभिलाष इयमेव च मे गुरूदक्षिणा।

(ख) **निम्नलिखित संस्कृत-पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए–** 2 + 5 = 7

कर्त्तव्यो भ्रातृषु स्नेहो विस्मर्त्तव्या गुणेतराः ।
सम्बन्धो बन्धुभिः श्रेयान् लोकयोरुभयोरपि ।।

अथवा

निन्दतु नीतिनीपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए– 2 + 2 = 4

(i) हंसपोतिका कस्य दुहिता आसीत्?
(ii) कः सर्वज्ञः भवति?
(iii) मूर्खाणां कालः कथं गच्छति?
(iv) का भाषा अस्माभिः मातृसमं माननीया?

10. (क) 'शृंगार' रस *अथवा* 'हास्य' रस के स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 1 + 1 = 2

(ख) 'यमक' अलंकार *अथवा* 'रूपक' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 1 + 1 = 2

(ग) 'सोरठा' *अथवा* 'रोला' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए— 2 + 7 = 9

(i) मेरा प्रिय कवि

(ii) भारत में भ्रष्टाचार की समस्या

(iii) साहित्य और समाज

(iv) भारत में बेरोजगारी की समस्या

(v) मेरे प्रिय साहित्यकार

12. (क) **(i) 'सच्चित्' का सन्धि-विच्छेद है—** 1

(अ) सच् + चित् (ब) सत् + चित्

(स) स + चित् (द) सच्चि + त्

(ii) 'नायकः' का सन्धि-विच्छेद है— 1

(अ) नै + अकः (ब) नाय् + अकः

(स) नाय + कः (द) नौ + अकः

(iii) 'उपोषति' का सन्धि-विच्छेद है— 1

(अ) उपो + षति (ब) उप + ओषति

(स) उ + पोषति (द) उप + औषति

(ख) **(i) 'नीलोत्पलम्' में समास है—** 1

(अ) द्वन्द्व समास (ब) अव्ययीभाव समास

(स) कर्मधारय समास (द) बहुव्रीहि समास

(ii) 'प्रतिगृहं' में समास है— 1

(अ) बहुव्रीहि समास (ब) अव्ययीभाव समास

(स) कर्मधारय समास (द) द्वन्द्व समास

13. (क) **'नयतम्' अथवा 'अपिबः' किस धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का रूप है?** 2

(ख) **(i) 'आत्मनः' रूप है 'आत्मन्' शब्द का—** 1

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(ब) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(स) प्रथमा विभक्ति, द्विवचन

(द) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन

(ii) 'नाम्ना' रूप है 'नामन्' शब्द का— 1

(अ) प्रथमा विभक्ति, एकवचन

(ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(स) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन

(द) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

(ग) **(i) 'श्रीमती' शब्द में प्रत्यय है—** 1

(अ) मतुप् (ब) तल्

(स) क्त्वा (द) तव्यत्

(ii) 'नीत्वा' शब्द में प्रत्यय है— 1

(अ) तल् (ब) तव्यत्

(स) क्त्वा (द) अनीयर्

(घ) **रेखांकित पदों में से किसी एक पद में विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए—** 1+1=2

(i) ग्रामं परितः क्षेत्राणि सन्ति।

(ii) श्रीगुरवे नमः।

(iii) सः शिरसा खल्वाटः अस्ति।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 2+2=4

(i) नदियों में गंगा सबसे पवित्र है।

(ii) गुरु के आदेश का पालन करो।

(iii) पिता के साथ पुत्र जाता है।

(iv) राम ने रावण को बाण से मारा।

(v) रामायण की रचना वाल्मीकि ने की थी।